# असम राइफल्स और ITBP के विलय का प्रस्ताव

drishtiias.com/hindi/printpdf/assam-rifles-and-indo-tibetan-border-police

## प्रीलिम्स के लिये:

असम राइफल्स और ITBP

## मेन्स के लिये:

सीमा प्रबंधन से संबंधित मुद्दे, विलय से संबंधित मुद्दे

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs- MHA) ने प्रस्ताव दिया कि असम राइफल्स (Assam Rifles) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (Indo-Tibetan Border Police- ITBP) का विलय किया जाना चाहिये।

## प्रमुख बिंदु

वर्तमान में असम राइफल्स का प्रशासनिक नियंत्रण गृह मंत्रालय और संचालन नियंत्रण रक्षा मंत्रालय के अधीन सेना द्वारा किया जाता है। इस प्रकार के दोहरे नियंत्रण के कारण इसके कार्य निष्पादन में समस्याएँ पैदा होती हैं।

## असम राइफल्स का इतिहास:

- असम राइफल्स का गठन वर्ष 1835 में कछार लेवी नामक एक एकल सैन्यबल के रूप में पूर्वोत्तर भारत में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से किया गया था।
- कुछ समय बाद इस सैन्य बल को वर्ष 1870 में कुछ अतिरिक्त बटालियनों के साथ असम सैन्य पुलिस बटालियन में परिवर्तित कर दिया गया। इसमें लुशाई हिल्स बटालियन, लखीमपुर बटालियन और नागा हिल्स बटालियन शामिल थे। प्रथम विश्वयुद्ध से ठीक पहले इसके तहत एक और बटालियन, डारंग बटालियन को जोड़ा गया था।
- प्रथम विश्वयुद्ध के बाद इन बटालियनों का नाम बदलकर असम राइफल्स कर दिया गया।
- वर्ष 1962 में चीनी आक्रमण के बाद असम राइफल्स बटालियन को सेना के संचालन नियंत्रण में रखा गया था।

## इस कदम का निहितार्थ:

- सेना असम राइफल्स को ITBP के साथ विलय के पक्ष में है।
- वर्तमान में, असम राइफल्स के उच्च रैंकिंग अधिकारियों को सेना में प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाता है (क्योंकि असम राइफल्स वर्तमान में रक्षा मंत्रालय के संचालन नियंत्रण में है)।
- असम राइफल्स के ITBP के साथ विलय के बाद, यह MHA के नियंत्रण में आ जाएगा।
- असम राइफल्स के परिचालन नियंत्रण को गृह मंत्रालय के तहत स्थानांतरित करने से चीन की सीमा पर सतर्कता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

| असम राइफल्स | भारत-तिब्बत सीमा पुलिस |
|---|---|
| वर्ष 1835 में असम राइफल्स अस्तित्व में आया। | भारत-तिब्बत सीमा पुलिस को वर्ष 1962 में स्थापित किया गया था। |
| यह आंतरिक सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। | यह आपातकाल के समय नागरिक सेवा (Civilian Aid) सहायता प्रदान करता है। |
| वर्ष 2002 से यह भारत-म्यांमार सीमा की भी सुरक्षा कर रहा है। | ITBP को लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश के मध्य तैनात किया जाता है। |
| ITBP एक विशेष पर्वतीय बल है और अधिकांश अधिकारी और सैनिक पेशेवर रूप से प्रशिक्षित पर्वतारोही और स्कीयर होते हैं। | प्राकृतिक आपदाओं के समय ITBP देशभर में बचाव और राहत अभियान चलाता है। |
| असम राइफल्स का मुख्यालय शिलांग में स्थित है। | ITBP का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। |

## स्रोत: द हिंदू